

B.A. SEM-I (GENERAL) EXAMINATION, 2020 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-1A GE-1

Time : 3 hours

Full Marks : 60

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु षण्णाम् प्रश्नाणामुत्तरं विधेयम्। तेषु प्रश्नद्वयम् अवश्यमेव सुरगिरा समाधेयम्।
निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো ছয়টি প্রশ্নের উত্তর দাও। তাদের মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত
ভাষায় লিখতে হবে। 5×6=30
- a. मातृभाषया अनुवादः कार्यः (मातृभाषाय अनुवाद कर)।
राजर्षिबंशस्य रविप्रसूतेरुपस्थितः पश्यत कीदृशोऽयम्।
मन्त्रः सदाचारशुचेः कलङ्कः पयोदवातादिव दर्पणस्य॥
अथवा,
উপস্থিতং পূর্বমপাস্য লক্ষ্মীং বনং ময়া সার্থমসি প্রপন্নঃ।
তদাস্পদং প্রাপ্য তয়াতিরোষাৎ সোঢাষ্টি ন ত্ত্ববনে বসন্তী॥
- b. मातृभाषया अनुवादः कार्यः (मातृभाषाय अनुवाद करो)।
स किंसखा साधु न शक्ति योऽधिपं हितान्न यः संशृणुते स किम्प्रभुः।
सदानुकुलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमातेषु च सर्वसम्पदः॥
अथवा,
উদারকীর্তেরুদয়ং দয়াবতঃ প্রশান্তবাধং দিশতোহভিরক্ষয়া।
স্বয়ং প্রদুঞ্জেহস্য গুণৈরুপম্নুতা বসূপমানস্য বসূনি মেদিনী॥
- c. सरलसंस्कृतेन सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या।
(सरल संस्कृते प्रसङ्ग निर्देशपूर्वक व्याख्या करो)।
रक्षेवधास्तो न च मे प्रयासो व्यर्थः स वैरप्रतिमोचनय।
अमर्षणः शोणितकाङ्क्षया किं पदा स्पृशन्तं दशति द्विजिह्वः॥
अथवा,
তথাপি জিন্মঃ স ভবজ্জিগীষয়া তনোতি শুভ্রং গুণসম্পদা যশঃ।
সমুন্নয়ন ভূতিমনার্যসঙ্গমাদ্বরং বিরোধোহপি সমং মহাত্মভিঃ॥

- d. संस्कृतभाषया भावसम्प्रसारणं विधेयम्।
(संस्कृत भाषाय भावसम्प्रसारण करो।।)
आज्जा गुरुणां हविचारणीया।
अथवा,
हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।
- e. टीका लेख्या-शिशुपालवधम्।
(टीका लेखो)-शिशुपालवधम्।
- f. भट्टिकाव्यविषये संक्षेपेण विव्रियताम्।
(भट्टिकाव्य विषये संक्षेपे विवृत करो।।)
- g. टीका लेख्या—कुमारसम्भवम्।
(टीका लेखो)-कुमारसम्भवम्।
- h. श्रीहर्षविषये संक्षेपेण आलोच्यताम्।
(श्रीहर्षविषये संक्षेपे आलोचना कर।।)

2. अधोलिखितेषु प्रश्नत्रयस्य उत्तरं दीयताम्।

(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো তিনটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)

10×3=30

- a. 'रघुवংশम्' इति महाकाव्यस्य चतुर्दशसर्गमवलम्ब्य लक्ष्मणचरित्रवैशिष्ट्यादिकम् आलोच्यताम्।
(‘रघुवংশम्’ এই মহাকাব্যের চতুর্দশ সর্গ অবলম্বনে লক্ষ্মণের চরিত্রবৈশিষ্ট্যগুলি আলোচনা কর।।)
- b. 'किराताजुनीयम्' इति महाकाव्यस्य प्रथमसर्गे युधिष्ठिरं प्रति बनेचरस्य उक्तेः सारांशः लेख्यः।
(‘किराताजुनीयम्’ महाकाব্যের প্রথমসর্গে বর্ণিত যুধিষ্ঠিরের প্রতি বনেচরের উক্তির সারাংশ লেখো।।)
- c. 'नारिकेलफलसन्मितं वचो भारवेः' पाठ्यांशं उपयुक्तोद्धृतिसहयोगेन अस्य मन्त्रव्यस्य विम्लेषणात्कं विवरणं प्रदीयताम्।
(‘नारिकेलफलसन्मितं वचो भारवेः’-पाठ्यांश থেকে উপযুক্ত উদ্ধৃতি সহযোগে এই মন্ত্রব্যের বিশ্লেষণাত্মক বিবরণ দাও।।)
- d. अश्वघोषस्य काव्यकृतेः संक्षिप्तपरिचयः प्रदेयः।
(अश्वघोषের काव्यकृতির সংক্ষिप्त परिचय দাও।।)
- e. संस्कृतसाहित्ये बृहद्भयपदेन किं बुध्यते? संक्षेपेण बृहद्भयसुसर्गतकाव्यानां परिचयः प्रदेयः।
(संस्कृतसाहित्ये बृहद्भयरी बलते कि बोवा? संक्षेपे बृहद्भयरीर असुसर्गत काव्यसमुहुर परिचय दाउ।।)